India and Italian businessmen on such occasions create potential for higher levels of trade and investment between the two countries.

Export of sugar

795. SHRI K. M. KHAN: Will the Minister of COMMERCE be pleased to state:

(a) whether it is a fact that sugar was exported in 1993-94;

(b) if so, details thereof, country-wise with foreign exchange earned from each country;

(c) whether the sugar was exported in 1993-94, despite severe domestic shortages;

(d) if so, details thereof and reasons therefor;

(e) whether it is a fact that severe domestic shortage of sugar shall exist during 1994-95;

(f) whether it is also a fact that export of sugar will be made during 1994-95; and

(g) if so, details thereof and if not, reasons therefor?

THE MINISTER OF COMMERCE (SHRI PRANAB MUKHERJEE): (a) to (g) In view of the domestic shortage situation exports were allowed during the sugar year 1993-94 only to the limited extent of meeting international obligations or other subsisting commitments. Exact details of these exports are being compiled and will be laid on the Table of the House. As for the next sugar year, a view would be taken after a clear picture emerges of production and surpluses, if any, available for exports.

To ensure availability of sugar for domestic consumption, imports of sugar are presently being allowed without licence and at nil rates of duty. Besides, imports are also being undertaken on Government account for the public distribution system.

हीरों का निर्यात

796. **श्रीमती उर्मिला चिमनभाई पटेल :** क्या वाणिज्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) पिछले तीन वर्षों के दौरान गुजरात के विशेष रूप से सूरत और सौराष्ट्र के हीरा उद्योग द्वारा वर्षवार कुल कितने मूल्य के हीरों का निर्यात किया गया है ;

(ख) गुजरात के हीरा उद्योग में काम कर रहे मजदूरों की कुल संख्या क्या है ; और

(ग) हीरों के निर्यात से अर्जित विदेशी मुद्रा में से गुजरात के हीरा उद्योग के विकास के लिए कुल कितना पूंजीनिवेश किया गया है ?

वाणिज्य मंत्री (श्री प्रणव मुखर्जी) : (क) रत्न तथा आभूषणों (हीरों सहित) के निर्यात के राज्यवार आंकड़े नहीं रखे जाते हैं।

(ख) गुजरात में हीरा उद्योग में कार्यरत कामगारों की संख्या लगभग 5 से 6 लाख होने का अनुमान है।

(ग) अर्जित विदेशी मुद्रा के बराबर की रुपयों में धनराशि निर्यातक अपने पास रखता है फिर भी सरकार इस उद्योग के हित में सहायता अनुदान दे रही है जो इस प्रकार है : सूरत में इंडियन डायमंड इस्टीट्यूट में रत्न/हीरा तराशने तथा पालिश के कार्य में कारीगरों को प्रशिक्षण देने के लिए तथा रत्न और आभूषण निर्यात संवर्धन परिषद् को रत्न तथा आभूषण के क्षेत्र का विकास करने के लिए ।